DB14-2-3-HI

संसार आपके विश्वास के बारे में जो सवाल पूछेगा - प्रोग्राम 3

आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, गिनती बताती है कि लगभग 70 प्रतिशत जवान लोग, जो हाय स्कुल में नियमित रूप में चर्च जाते थे, वो दूर होते हैं, और मसीही विश्वास से हट जाते हैं, जब वो संसार के कॉलेज या यूनिवर्सिटी में जाते हैं/ वो उस विश्वास को क्यों छोड़ देते हैं जिस में वो बड़े थे/ जैसे ही वो यूनिवर्सिटी में जाते हैं तो तुरंत ही संडे स्कुल को भूल जाते हैं, संसार के प्रोफेसर उनके विश्वास को चुनौती देते हैं कि कैसे मसीहियत शुरू हुई थी, क्या सच में यीशु था, क्या हम विश्वास कर सकते हैं कि वो मुर्दों में से जी उठा, हमें बाइबल कहाँ से मिली? और हमें वहां जो जानकारी मिलती है, क्या हम उस पर सच में विश्वास कर सकते हैं?

32 प्रतिशत विद्यार्थियों ने कहा, उन्होंने अपना विश्वास पीछे छोड़ दिया बुद्धिमत्ता से दोष निकलने या संदेह के कारण, उनका विश्वास उनके लिए अब कोई अर्थ नही रख सकता था/ या उन्हें बहुत से सवालों का जवाब नही मिला/

किशोर अवस्था के 63 प्रतिशत विद्यार्थियों ने कहा, कि वो विश्वास नही करते हैं कि यीशु एक सच्चे परमेश्वर का पुत्र है/

51 प्रतिशत लोगों ने कहा, कि वो विश्वास नही करते हैं कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है/

68 प्रतिशत लोगों ने कहा, वो विश्वास नही करते हैं कि पवित्र आत्मा सच में एक व्यक्ति है/

और केवल 33 प्रतिशत ने कहा, कि चर्च उनके जीवन में भूमिका निभाएगा जब वो घर छोड़कर जाएगे/

मैं विश्वास करता हूँ कि ये फेर सकते हैं/ मैं अपने पहले दिन को याद करता हूँ जब मैं संसार की यूनिवर्सिटी में गया था/ जहाँ मैं जो भी विश्वास करता था उसे चुनौती मिली, इसलिए हमारी इस नई टेलीविजन सीरिज का नाम है, सवाल जो संसार आपके विश्वास के बारे में पूछता है, और ये सीरिज केवल विद्यार्थियों के लिए नही है/ लेकिन हर मसीही व्यस्क के लिए है जो अविश्वासी लोगों के साथ काम करते हैं/

आज मेरे मेहमान हैं, जो इस चर्चा में हमारी अगुवाई करेगे, ये हैं डॉक्टर डेरेल बॉक/ हमारे संसार में यीशु के बारे में मुख्य विद्वान्/ और संसार के सबसे बड़े अधिकारी लूका के सुसमाचार और प्रेरितों के काम पर/ ये सीनियर रिसर्च प्रोफेसर हैं, नए नियम के अध्यन पर, डेलस थियोलोजिक्ल सेमनरी में, इन्होने 30 से भी ज्यादा किताबें लिखी हैं/ और ये आए हैं, ए बी सी, सी एन एन, फॉक्स और डिस्कवरी चैनल पर/ मैं आपको न्योता देता हूँ कि हमारे साथ जुड़ जाए, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः प्रोग्राम में स्वागत है, हम चर्चा कर रहे हैं कि जब विद्यार्थी, आपके बेटे या बेटी, जब वो यूनिवर्सिटी में जाते हैं तो उन्हें यीशु, परमेश्वर और बाइबल के बारे में क्या

सिखाया जाता है? आज हम बहुत ही दिलचस्प सवाल पर चर्चा करेगे, यीशु की देह का क्या हुआ, यरूशलेम में क्रूस पर चढाने और गाढे जाने के बाद, क्योंकि जरा सोचिए, इन सब लोगों ने यीशु को क्रूस पर दू:ख उठाते हुए देखा, ये सुन रहे थे कि उसने क्या किया, तीन साल तक उसके बारे में थोडा जाना, उसने जो चमत्कार किए, अब आप इस समय में आते हैं जब वो क्रूस पर मर गया, पसली में भाला मारा गया, और उसे निकालकर उसे दफना दिया,

अब, तीन दिनों के बाद, रविवार सुबह, कहिए शुक्रवार शाम से रविवार सुबह, ठीक है, अचानक है वहां अफवाए थी कि, कि चेलों ने यीशु को जीवित देखा/ उन्होंने कहा कम ऑन, यदि आप यरूशलेम में उन लोगों में से एक होते, ये जानते हुए कि यीशु गाढ़ा गया है, उन्होंने इस विचार पर विश्वास नही किया कि यीशु सच में मुर्दों में से जी उठा है, और चेलों के सामने प्रकट हुआ/ तो आपने क्या किया होता? आपने कहा होता चलो कब्र पर चलकर देखते हैं, कि देह अभी भी वहां है?

डेरेल, जब हम चर्चा करते हैं कि यीशु की देह का क्या हुआ? हम जानते हैं कि उसे आदर से दफनाया गया, उसे कब्र में रखा गया, और तीसरे दिन चेलों ने कहा, कि वो जीवित है और उन्होंने उसे देखा, वो उन पर प्रकट हो रहा है और 40 दिनों तक अलग लोगों पर प्रकट होता रहा, दोष निकालनेवाले कहते हैं कि ये कभी नही हुआ/ वो खाली कब्र की बात के बारे में क्या कहते हैं?

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी देखिए वो कहते हैं कि चेलों ने किसी तरह का अनुभव किया जिसके पीछे वो चले गए, अपने मन में, कि यीशु के साथ में कुछ अद्भुत हुआ है/ और ये खुद को घटाकर इस बात तक लाता है कि ये किसी तरह से भ्रम होगा, या सायकोलोजीकल, विचार होगा, या इसी तरह की कोई बात होगी, हम तो सामान्य रूप में इसे देखते हैं, इस में दिलचस्प बात तो ये है कि चेलों का बदलाव हुआ और मसीही चलन इतना बढ़ गया कि वो इस बात के लिए मरने के लिए भी तैयार थे, और उन्हें ये बताना पडा कि चेलों के साथ में कुछ हुआ जिसके कारण वो परेशानी से निकलकर इस तरह का साहस रख पाए, याने कुछ न कुछ तो होना ही था, और सच में दो पर्याय हैं, याने पुनरुत्थान हुआ होगा, या खुद कुछ मानना हुआ जो उन लोगों में समूह के रूप में हुआ, और इस सिद्धान्त में मुश्किल बात तो ये है, कि ये इस बात में उन सब ने एक साथ देखा, शायद एक व्यक्ति परेशानी में होकर इस तरह का अनुभव पाता है, इसका ये अर्थ नही है कि सब उस अनुभव को पाते हैं/ तो ये बात कि बहुत से लोगों ने इसे एक ही समय में देखा, याने ये तो पुनरुत्थान की बात ही सच होगी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, और मैं सोचता हूँ कि हम क्लास में देखते हैं, कि यदि वो मानते हैं कि कब्र खाली थी, तो वो कारण देते हैं, कारण देना चाहते हैं, वो ये नही कहेगे कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है, और चेलों पर प्रकट हुआ, तो कब्र खाली क्यों थी? ठीक है, एक विख्यात बात है कि उन्होंने यीशु की देह चूरा ली, इसमें क्या कमी है?

डॉक्टर डेरेल बॉकः उन्होंने देह चुराई का अर्थ है कि वो सिपाहियों के पहरे में से बाहर आए और उन्हें व्यवहार करना था कि किसने चुराई और कहाँ ले गए और इसे क्यों किया, और यदि चेले देह को चुराते हैं तो इसका अर्थ नही होता है, क्योंकि वो तो इसके लिए मर जाते, याने हम देह चुराने के लिए मरने को तैयार हैं, और कह रहे थे कि नही चुराई है, ये काम नही करता है, इस विचार में बहुत सी समस्याएँ हैं कि देह चुराई गई थी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः ठीक है, आप आए हैं, ए बी सी, एन बी सी, सी बी सी स्पेशल में, यीशु के बारे में, और बस कुछ समय पहले ये कब्र की बात आई, यीशु के परिवार की कब्र, जो कि जानते हैं, यीशु को उस कब्र में दफनाना चाहिए था, और ये मुझे बताता है, कि वो अभी भी देह को खोज रहे थे/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी ये सच है और इस कब्र की बात के साथ है कह दूँ कि यीशु को परिवार के कब्र ने ही दफना सकते थे, क्योंकि यहूदी नियम इनकार करते थे, कि जो दोष के कारण मारा जाता है उसे परिवार की कब्र में नही दफना सकते थे/ और ये दफनाने में एक रुकावट थी, याने यीशु को आदर के साथ दफनाया गया, उसके पास जगह थी कि उसे विश्राम में दफनाया जाए, कही फेंकने के बजाए, लेकिन एक तरह से ये अपमान करने की बात थी, उसे अपने परिवार के साथ दफनाने नही दिया, जैसे ज्यादातर लोगों को दफनाया जाता था/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, मतलब, पुराने लोग अभी भी उसे ढूंड रहे हैं, मुश्किल में/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी हाँ, वो ढूड रहे हैं, और ढूंडते रह जाएगे/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, इसे विद्यार्थियों को बताने का एक और तरीका है, कि ये सच्चाई कि कब्र खाली थी, ये तो चेलो के कोलोम में भाग था जिन्होंने कहा, वो मुर्दों में से जी उठा और हमने उसे देखा है/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी, और मैं सोचता हूँ कि ये महत्वपूर्ण है, और मुझे यहाँ पीछे देखना होगा, क्योंकि एक तरीका है जिसे दोष निकालनेवाल देखते हैं, और ये पूरा साधन तो यही है, हमारे पास जो पहला सुसमाचार है, पुरे विवरण के साथ तो मरकुस है, मरकुस, देखा जाए तो ये 16:8 में अंत होता है, और बहुत सी बहस होती है की मरकुस का अंत कैसे होता है, लेकिन सामान्य रूप में तो ये स्त्रियों द्वारा कब्र का खाली होना बताता है, और वो डर जाते हैं और यही पर अंत होता है, हॉलीवुड तो वो पहले लोग नही जिन्होने क्लिफ हेंगर लिखा हो, मरकुस तो बस यही कर रह था,वो सामान्य रूप में जी उठने की घोषण करता है, और सुसमाचार को इस तरह की बात से अंत करता है, ठीक है, हम इसके साथ क्या करेगे? कब्र खाली है और उन्हें देह नही मिली तो हम क्या करेगे?/

लेकिन इसका अर्थ है कि प्रकट होने की कहानी नही थी और प्रेरितों को खाली कब्र की को खबर नही मिली थी/ जैसे हम मत्ती और लूका में देखते हैं, और युहन्ना में, तो दोष निकालनेवाले यही करते हैं, वो कहते हैं, देखिए, कब्र खाली होने की खबर तो चेलों को देना तो मन घडत कहानी है, प्रकट होना भी

मन घडत कहानी है, वो बाद में आएं, वो तो इसका भाग है जो इस दरार में हुए थे/ इसके बार में कहते हैं/ और तो वो इसे लेते हैं और कोशीश करते हैं, और खाली कब्र की बात खत्म करना चाहते हैं, लेकिन समस्या तो ये है, खाली कब्र तो वहां है, खाली कब्र तो वो मुख्य बात है जो यरूशलेम में किए प्रचार के लिए मुख्य बात थी/ याने हम खाली कब्र के बिना वहां नही जा सकते, तो हमें जरूरत नही है मरकुस कि या लूका की या मत्ती की या युहन्ना की, या प्रेरितों के काम की, कि खाली कब्र की परंपरा देखे, ये तो शुरू के चर्च का मुख्य प्रचार था/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः फिर से सुसमाचार लिखने से पहले, हम देखते हैं कि पौलुस सन 55 में, कुरिन्थियो को कोट्स में कहता है, अपनी किताब लिखता है, जो उसने उन्हें सन 50 में कहा था, वो उन बातों के बारे में कहता है जो उस घटना के बारे में बताती है/ और वो उन्हें, बताता है इसी कारण मैंने सबसे पहले तुम्हें वही बात पहुंचा दी, जो मुझे पहुंची थी/ और वो ये है, कि पवित्रशस्त्र के वचन के अनुसार यीशु हमारे पापों के लिए मरा/ और गाढ़ा गया और पवित्रशास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा/ और फिर कैफा को और 12 चेले और 500 पर प्रकट हुआ और याकूब पर और फिर अंत में पौलुस पर भी/ मैं कह रहा हूँ, वो गाढ़ा गया/ और फिर वो जिलाया गया/ तो ये बात सच है कि उठाया गया तो कब्र खाली है, वो ये नही कह सकता था, यदि ये सच नही होता/ जी/

डॉक्टर डेरेल बॉकः यदि उसकी देह कब्र में थी तो वो चेलों के सामने कैसे प्रकट हो सकता था? और हम सामान्य रूप में इसे ही देख रहे हैं, वो जी उठा और प्रकट हुआ, और प्रकट होना तो बताया गया कि ये शारीरिक प्रकटीकरण था, वो दर्शन नही थे, वो लोगों के साथ भीतरी रूप में नही हुआ था/ उसे खाना खाते हुए भी बताया गया, और ऐसे काम किए/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, चलिए इस बात को देखते हैं, लोग कहते हैं भ्रम या दर्शन, ठीक है/ इन दोनों में थोडा फर्क है लेकिन और फिर हम देखते हैं कि ये किस तरह का पुनरुत्थान था, आत्मिक या ये शारीरिक देह का जी उठना था, पहले को देखते हैं, हम क्यों इस पुरे विचार को नही बता सके कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है, और चेलों ने इसके बारे में कोई भ्रम देखा होगा/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी क्योंकि समूह ने भ्रम में देखना होगा, याने इस पर बहस होगी, यदि आप पहला कुरिन्थियो की गवाही को गंभीरता से लेते हैं, एक समय 500 लोगों ने देखा, वो 12 लोगों पर प्रकट होता है, इस तरह की बातें ये तो समूह में भ्रम देखना है, सामान्य रूप में भ्रम तो समूह में नही होता है, यदि कुछ देख रहे हैं, जी, ठीक है, तो/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी भम्र समूह में नही होते हैं, याने यदि आप सपना देखे कि आप हेडी में गए और अपनी पत्नी को जगाकर कहते हैं कि दोनों सपने में एक ही जगह पर नही जा सकते हैं, जी बताइए/

डॉक्टर डेरेल बॉकः बिलकुल सही, याने, सब ही बात देखे ये नही होता है/ याने देखिए भ्रम की परिस्थिति में समस्या है, क्योंकि हम यहाँ समूह की गवाही को देख रहे हैं, बहुतसी बातों में/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, लोग इसे लेते हैं, सामन्य रूप में दो तरह के दर्शन होते हैं, बताइए?

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी, ये दर्शन के अनुभव रो सामान्य रूप में सायकोलोजी पर आधारित होते हैं, तो विचार ये है कि उन्होंने दर्शन देखा, उन्होंने इसे महसूस किया, कि यीशु मरने के बाद भी उपस्थित था, देखिए मैं यही सोचता हूँ क्योंकि मेरे साथ ऐसा हुआ मेरी माँ बहुत कम उम्र में मर गई, और उनके मरने के बाद मैंने महसूस किया कि मैं उसकी उपस्थिति महसूस कर सकता हूँ, उनकी आवाज महसूस कर सकता हूँ, इस तरह की बातें/ इस तरह की तुलना दोष निकालनेवाले लोग इस में करते हैं/ और मैं कह सकता हूँ कि मैं इसे ले सकता हूँ, क्योंकि मैं और मेरी बहन ने इस तरह के अनुभव के बारे में चर्चा की है/

जी ये शोक के कारण होते हैं/ लेकिन साथ ही मैं सोचता हूँ कि इसका दूसरा आयाम भी है, वो किसी की सामर्थ की उपस्थिति को दर्शाते हैं, आपके जीवन में मतलब, ये मेरे पडौसी के साथ का अनुभव नही है/ ये तो मेरी माँ थी, मेरा ये अनुभव उन लोगों के साथ में रहा जिनके साथ मैंने बहुत समय बिताया, जिनकी कमी खलती है/ इस तरह की बात, लेकिन फिर से यहाँ समूह की बात होती है, हम ये अनुभव करते हैं कि ये वो अनुभव नही है/ ये अनुभव जो मैं कह रहा हूँ, वो तो सामान्य नही है/ याने आप हर तरह के लोगों से बातें कर सकते हैं, जिन्होंने इस तरह से उपस्थिति महसूस की हो, हम इसके बारे में चर्चा नही कर रहे हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः और हम इसे साबित कर सकते हैं, और सच्चाई ये है कि बहुत से दोष निकालनेवाले कहेगे, कि सारे प्रेरित उन सब लोग जिन्होंने यीशु को देखा है/ वो शोक में थे, इसलिए शोक की भावनाओं के कारण उन सब ने एक ही तरह का दर्शन देखा/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी हाँ लेकिन/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः लेकिन प्रेरित पौलुस जिसने सच में इसे लिखा, वो अलग समूह का था, बताइए/

डॉक्टर डेरेल बॉकः वो शोक में नही था, वो चर्च को परेशान कर रहा था, वो चर्च से लड रहा था, चर्च को सता रहा था, वो तो सहमत था कि यीशु मर चूका है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः वो विश्वासियों को मारकर खुश था/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी बिलकुल सही कहा, तो, वो इन बातों में फिट नही होता है, बहुतसी बातों की चर्चा में, क्योंकि वो एक तरफ इन घटनाओं के उपर में है, वो ही है जिसने जीवन में बदलाव पाया है/ वही वो है जिसने नए नियम का बहुत सा भाग लिखा है, जो हमें थियोलोजी का विवरण देता है, जिसके साथ आज हम जीते हैं, वो तो इन सारी घटनाओं के चौराहे पर है, साथ है वो मुख्य व्यक्ति है जो देशों में सुसमाचार लेकर जाता है/ याने पौलुस यहाँ महत्वपूर्व व्यक्ति है, और वो ही वो व्यक्ति है जो प्रचार को साबित करता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, मैं कहूँगा कि करीबी बात तो ये होगी, कि यीशु का भाई याकुब अपने जीवन काल में यीशु पर विश्वास नही करता था/ याने जानते हैं, तोकैसे किसी को सहमत करेगे कि आपका भाई हो, प्रभु है/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी, ये भी अच्छा है, और देखिए एक बार इस के बारे में सोचना शुरू करे, ये विचार कि 12 एक साथ आएं ये विचार कि ये बनाया गया है, किसी ने शुरू के चर्च में दबाव में रहते हुए इसे बनाया/ जानते हैं कि टूटकर अंगीकार करे, इस के बारे में की सच्चाई में, या ऐसा कुछ, ऐसी बहुतसी बातें हैं जो दिखाती है कि सबसे अच्छा विवरण तो पुनरुत्थान है, जानते हैं, मैं उन लोगों पर दया करता हूँ जो कहते हैं, चमत्कार सामान्य रूप में नही होते हैं, ये तो नियम के विरोध में है, ये इतिहास में सामान्य बात नही थी, मैं ये सब सुनता हूँ, लेकिन सोचता हूँ कि नया नियम इसके बारे में सचेत थे, एक जगह पर ये दिखाता है, कि जब ये बातें शुरू में घोषित की गई, ये इस तरह नही था कि चर्च के अगुवों में कहा, ओ इस यीशु को हमें जानना चाहिए था/ जानते हैं उनका प्रतिउत्तर, वो तो सिद्ध आधुनिक नैचरलिस्ट थे, जानते हैं, जब स्त्रियाँ आकर खाली कब्र के बारे में बताने लगी, तो कहा, कुछ दिन मुश्किल में बीते हैं, तुम क्रुसिकरण के बाद मुश्किल में हो, और देखिए प्रतिक्रिया यहाँ दोष निकालनेवाले की याने थोमा,जब तक जख्मों को न छू लू विश्वास नही करूंगा, वो तो दोष निकालने वाले की जगह पर थे, और किसी ने इस दोष निकालने पर जय पाई/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, अब स्कुल के प्रोफेसर कहेगे, कि उन्होंने इसे मनघडत बनाया, परिकथा जैसे, डेरेल के पास महान उदाहरण है, यदि आप पहली सदी में इश्तेहार देते हैं, और ये कहानी बना रहे हैं तो कुछ चुनौती होगी, असली परेशानी और वो क्या होगी?

डॉक्टर डेरेल बॉकः ठीक है, देखिए इसका अर्थ है, चलिए कहते हैं आशा को जिन्दा रखे, हमारा मसीहा मर गया है, मरा और गाढ़ा गया है, इस विचार के अनुसार जो बनाई गई है, वो मरा और गाढ़ा हुआ ही रहेगा, लेकिन हम यीशु के संदेश को जीवित रखना चाहते हैं, और सरल बात जो हो सकती थी, जब इसे सरल रूप में बताई गई थी अद्‌भुत शिक्षक जिसने हमें कुछ बातें सिखाई है और उसे वापस न लाए, उसे वही छोड़ दे, और संदेश को आगे ले जाएं, मैं सोचता हूँ कि उन्होंने इसे नही किया क्योंकि ऐसा नही हुआ था,लेकिन कल्पना कीजिए कि लोग इसे बना रहे थे, और विश्वास करने के लिए कह रहे थे? तो देखिए पी आर मीटिंग में किसी ने हाथ उठाकर कहा मेरे पास महान विचार है, हम पुनरुत्थान का अविष्कार करेगे/ वो फिर से जीवित होगा/

और हम ये मुश्किल विचार बताएगे, शारीरिक जी उठने में विश्वास नही करेगे/ केवल कुछ यहूदी लोग इस पर विश्वास करेगे/ हम ये विचार बताएगे और इस में पहले गवाह तो स्त्रियों को रखेगे और वो सब को सहमत करेगी कि क्या हो रहा है/ और केवल यही समस्या है कि पहली सदी में,स्त्रियों को गवाह के रूप में नही माना जाता था, उस परंपरा में वो व्यवस्था के कोर्ट में

गवाही नही दे सकते थे/ केवल शारीरिक बुरे व्यवहार को छोडकर, याने हम मुश्किल विचार बता रहे हैं, और हम जो चाहे वो वकील ले सकते थे, और यदि स्त्रियों को इस मुश्किल विचार को बताने के लिए आगे करे, या इस कैम्पेन को शुरू करे, ये नही हो सकता था/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः इसलिए पतरस को वहां रखा कि वो कुछ खोज करे/

डॉक्टर डेरेल बॉकः बिलकुल सही, पतरस या कोई भी प्रेरित, और हर तरह के लोग वहां पर थे, और ये भी समस्या थी, दूसरी समस्या जो थी वो तो मसीहा के मुर्दों में से जी उठने का कोई उदाहरण नही था, किसी ने विश्वास नही किया कि मसीहा दू:ख उठाएगा, तो उन्होंने इसके इस भाग में नही देखा,उन्होंने यशायाह 53 नही पढ़ा था, इस तरह से,तो, याने देखिए हम तो यहाँ बहस कर रहे हैं, ये उदाहरण तो किसी चीज़ के लिए उदाहरण ही नही था, इस केस को बनाने में, ये तो उन लोगों का प्रतिउत्तर था जो कहते यीशु ने खुद को मसीहा के रूप में नही दिखाया, या नही सोचा कि वो मसीहा है/ लेकिन उसके अनुयायियों ने उसे मसीहा बनाया, बाद में,अब तो यीशु ने जो क्या उसका अर्थ होना था,जिसके कारण उन्होंने सोचा की यीशु है मसीहा है, उनके पास खाली कब्र थी और कुछ तो हुआ था जिसके कारण उन्होंने विश्वास किया कि वो मुर्दों में से जी उठा है/ और स्त्रियाँ यहाँ इस कहानी में थी,खाली कब्र की कहानी में बहुत शुरू से ही, क्योकि यदि मन घडत कहानी बना रहे हैं तो उन्हें वहां नही रखते/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, अब, मैं चाहता हूँ कि आप विद्यार्थियों को बताईये जो क्लास से निकले हैं, हम जिस पर विश्वास करते हैं उसके पीछे कारण ये है, मसीहियत में, क्योंकि हम विश्वास करते हैं कि ये बहुत लौजिकल है और सबूत बताने के लिए बहुत अच्छा तरीका है/ जो हमारे पास है/ ये तो सारे सबूत के विवरण को सही फिट होता है/ जो बताए गए हैं/ आप क्या कहेगे?

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी अवश्य है ये सबसे उत्तम विवरण है, जो उप्ल्बध है और मैं सोचता हूँ कि ये इसका सबूत है, कि हम चेलों में बदलाव देखते हैं, जिसके बारे में चर्चा कर रहे हैं, पौलुस, याकूब और पतरस, हम यहाँ बदलाव देख रहे हैं, पतरस तो क्रुसीकरण के पहले, तो ये भी नही कह सकता था कि वो यीशु को जानता है, क्रुसीकरण के बाद पतरस जो भी हुआ उसके लिए जान जोखिम में डालने के लिए तैयार था/ याने ये हमें बताता है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः सारांश बताइए इस प्रोग्राम का जो हमने किए हैं, हम विद्यार्थियों की मदत करना चाहते हैं, कि भरोसा महसूस करे उस जानकारी के बारे में, जो हमारे पास है, यीशु के बारे में, सुसमाचार के संदेश के बारे में, हमें वचन कैसे मिला, और जी उठने के बारे में/

डॉक्टर डेरेल बॉकः हम यही चर्चा कर रहे है कि मुख्य थियोलोजी जो शुरू से ही है, हम इसे शुरू के गवाहों में भी देखते हैं, सिद्धांतो में देखते, उनके गीतों में भी, विधियों में भी , इस दरार

को पीछे ले जाते हैं, उस समय से जब ये लेख लिखे गए थे, और इस घटना के समय तक, ये एक दूसरे के संपर्क में थे, यीशु की सेवकाई और प्रेरितों का प्रचार, एक दूसरे के संपर्क में थे, हम यही कह रहे हैं, ये अद्भुत विवरण है, हाँ आप यहाँ पर जिस बात पर ज़ोर दिया गया उस में हम कुछ फर्क देते हैं, ये इसलिए है कि यीशु ने जो किया है उसका महत्व तो हर दिशा में बढ़ते जाता है, और उसमे हर तरह की गहराई है/

और ये भी कह रहा है कि मुख्य सुसमाचार के विचार को शुरू के चर्च ने परमेश्वर का वचन कहा, पहली सदी में, उन्होंने यही संदेश दिया और यही संदेश परमेश्वर की और से प्रकाशन था जिसने कहा आप परमेश्वर के साथ संबंध में वापस आ सकते हैं, क्योंकि यीशु मसीह के द्वारा वो क्षमा देता है, और वो देते है जो हम अपने लिए नही दे सकते हैं, केवल पापों की क्षमा ही नही, लेकिन योग्य बनाने के द्वारा पिता तक पहुंचना और वो जीवन जो हमें परमेश्वर की आत्मा के द्वारा देता है, जो सदा के लिए परमेश्वर के साथ हमें जोड़ता है, और हमें अनन्त जीवन देता है, ये अनंत जीवन केवल समय में नही है/ लेकिन ये उत्तमता में आनंत जीवन है, ये अनंत जीवन से आता है, और आप संगती में फिर से जुड़ सकते हैं, और सच में उस तरह से वापस आ सकते हैं जिसके लिए इसे बनाया था/ यही तो सच में सुसमाचार का मुख्य संदेश है, जिसे शुरू के चर्च ने परमेश्वर का वचन कहा/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, मैं सोचता हूँ कि ये दर्शकों के लिए मत्वपूर्ण संदेश है कि आप ठान नही सकते हैं कि आप विश्वासी हो जाएगे, आप खुद को विश्वासी बनाने के लिए काम नही कर सकते हैं/ आप इसे खुद उत्पन्न नही कर सकते हैं, ये वरदान है, आप यीशु मसीह के पास आते हैं, जो आलौकिक रूप में आपके जीवन में कुछ करता है, वो आपको बदलता है, और वो आपको योग्य बनाता है कि आपका जीवन पहले जो था उससे पूरी तरह अलग होता है/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जानते हैं दिलचस्प बात तो ये है, कि विश्वास का केंद्र, ये तो सच में नम्रता है, मैं प्रभु पर भरोसा रखता हूँ वो मेरी मदत करेगा जिसे मैंने जाना है जो मैं इसे खुद के लिए नही दे सकता हूँ, याने विश्वास के निचे नम्रता है, ये सही संबंध बनाता है जो आपको इसके लिए जिम्मेदार बनाता है, उसके बाद भी, याने विश्वास की बुनियाद केवल भरोसा नही है, हम इस शब्द पर ज़ोर देना चाहेगे, क्योंकि विश्वास यही है, भरोसा करना, लेकिन उस भरोसे परे ये पिता के सामने नम्रता है, जो कहता है कि मैं अपनी आत्मिक भलाई तुम्हारे हाथों में रखता हूँ/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, दोस्तों चाहे आप 15 साल के हो, 25 साल के हो, 50 साल के हो, या 80 साल के हो, चाहे आप जीवन के किसी भी भाग में हो, सबूत बताते हैं कि यीशु दिखता है कि वो कौन हैं/ वो सच में मुर्दों में से जी उठा/ वो अब जीवित है, वो जगत का उद्धारकर्ता है वो आप को बचाना चाहता है और आगे कुछ समय में आपको उसके बारे में सोचना होगा, और आपको निर्णय लेना होगा, कि क्या आप उसे अपना उद्धारकर्ता के रूप में न्योता देगे, क्या आप उससे कहेगे कि आपको बदल दे, आपके पापों को क्षमा करे, आपको निर्णय लेना होगा, आशा

करता हूँ कि अभी निर्णय लिया है, और दोस्तों मैं चाहता हूँ कि आप बने रहे, कि आप समझ सके कि ये साहित्य खुद के लिए कैसे प्राप्त करे, तो बने रहे/

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI